

Transliteration–Telugu

Transliteration as per Modified Harvard-Kyoto (HK) Convention
(including Telugu letters – Short e, Short o) -

a A i I u U
R RR IR IRR
e E ai o O au M (H or :)

(e – short | E – Long | o – short | O – Long)

k kh g gh n/G
c ch j jh n/J (jn – as in jnAna)
T Th D Dh N
t th d dh n
p ph b bh m
y r l L v
S sh s h

SambhO Siva-SankarAbharaNaM

In the kRti ‘SambhO Siva Sankara’ – rAga SankarAbharaNaM, SrI tyAgarAja praises the Lord Siva.

P SambhO Siva Sankara 'guru
ambhO-ruha nayana

C1 dharaNI dhara vara bhUshaNa
sura sEvita caraNa (Sam)

C2 taruN(A)ruNa kiraN(A)bha su-
caraN(A)sura haraNa (Sam)

C3 kamanIya nigama sannuta
hima girijA ramaNa (Sam)

C4 ²Saman(A)ntaka vimal(A)nga
parama kAruNya nidhE (Sam)

C5 samalankRta kamal(A)hita
kamalA suta haraNa (Sam)

C6 nata pOshaNa hita bhAshaNa
dhRta cAru kuranga (Sam)

C7 ³mata bhEda patita mAnava
mada santata bhanga (Sam)

C8 su-tapO-dhana hita kara
pAlita tyAgarAja (Sam)

Gist

O Lord Sambhu! O Lord Siva! O Preceptor Sankara! O Lotus Eyed!

O Lord nicely adorned with SEsha! O Lord whose holy feet are worshipped by celestials!

O Lord whose holy feet have the splendour of rays of Sun at early dawn!
O Destroyer of demons!

O lovable Lord, well-praised in vEdas! O Beloved of pArvatI!

O Lord with a holy foot which destroyed (arrogance of) yama! O Ocean of Supreme mercy!

O Lord well decorated with the digit of moon! O Lord who burnt down cupid!

O Nourisher of those who supplicate! O Lord who speaks kindly! O Lord who sports charming deer in His hands!

O Lord who shatters the arrogance of those people fallen into differentiation between sects!

O Benefactor of great ascetics! O Protector this tyAgarAja!

Word-by-word Meaning

P O Lord Sambhu (SambhO)! O Lord Siva! O Preceptor (guru) Sankara! O Lotus (ambhO-ruha) Eyed (nayana)!

C1 O Lord nicely (vara) adorned (bhUshaNa) with SEsha – the bearer (dhara) of the Earth (dharaNI)! O Lord whose holy feet (caraNa) are worshipped (sEvita) by celestials (sura)!
O Lord Sambhu! O Lord Siva! O Preceptor Sankara! O Lotus Eyed!

C2 O Lord whose holy feet (su-caraNa) have the splendour (Abha) of rays (kiraNa) (kiraNAbha) of Sun at early (taruNa) dawn (aruNa) (taruNAruNa)! O Destroyer (haraNa) of demons (asura) (caraNASura)!
O Lord Sambhu! O Lord Siva! O Preceptor Sankara! O Lotus Eyed!

C3 O lovable (kamanIya) Lord well-praised (sannuta) in vEdas (nigama)! O Beloved (ramaNa) of pArvatI – daughter of snow (hima) mountain (giri) (girijA)!
O Lord Sambhu! O Lord Siva! O Preceptor Sankara! O Lotus Eyed!

C4 O Lord with a holy (vimala) (literally spotless) foot (anga) (literally limb) (vimalAnga) which destroyed (Samana) (arrogance of) yama (antaka)! O Ocean (nidhE) of Supreme (parama) mercy (kArUNya)!
O Lord Sambhu! O Lord Siva! O Preceptor Sankara! O Lotus Eyed!

C5 O Lord well decorated (samalankRta) with the digit of moon – enemy (ahita) of lotus (kamala) (kamalAhita)! O Lord who burnt down (haraNa) (literally destroyed) cupid – son (suta) of lakshmi (kamala)!
O Lord Sambhu! O Lord Siva! O Preceptor Sankara! O Lotus Eyed!

C6 O Nourisher (pOshaNa) of those who supplicate (nata)! O Lord who speaks (bhAshaNa) kindly (hita)! O Lord who sports (dhRta) charming (cAru) deer (kuranga) in His hands!
O Lord Sambhu! O Lord Siva! O Preceptor Sankara! O Lotus Eyed!

C7 O Lord who always (santata) shatters (bhanga) the arrogance (mada) of those people (mAnava) fallen (patita) into differentiation (bhEda) between sects (mata)!

O Lord Sambhu! O Lord Siva! O Preceptor Sankara! O Lotus Eyed!

C8 O Benefactor (hita kara) of great ascetics (su-tapO-dhana)! O Protector (pAlita) this tyAgarAja!

O Lord Sambhu! O Lord Siva! O Preceptor Sankara! O Lotus Eyed!

Notes –

Variations –

caraNam 1 is given as anupallavi in some books.

References –

² – SamanAntaka vimalAnga – This refers to Lord Siva kicking yama – the Lord of death in order to save mArkaNDEya – Story of mArkaNDEya - http://www.srividya.org/Divine_Stories/MARKANDEYA.pdf

³ – mata – this refers to the six modes (shaNmata) of worship of Lord – Saiva, vaishNava etc.

Comments -

¹ – guru – Though this has been translated as 'preceptor', it is not clear whether it has any other significance.

Devanagari

प. शम्भो शिव शंकर गुरु अंभो-रुह नयन

च1. धरणी धर वर भूषण सुर सेवित चरण (शं)

च2. तरु(णा)रुण किर(णा)भ सु-चर(णा)सुर हरण (शं)

च3. कमनीय निगम सन्नत हिम गिरिजा रमण (शं)

च4. शम(ना)न्तक विम(लां)ग परम कारुण्य निधे (शं)

च5. स(म)लंकृत कम(ला)हित कमला सुत हरण (शं)

च6. नत पोषण हित भाषण धृत चारु कुरंग (शं)

च7. मत भेद पतित मानव मद सन्तत भंग (शं)

च8. सु-तपो-धन हित कर पालित त्यागराज (शं)

English with Special Characters

pa. śambhō śiva śaṅkara guru aṁbhō-ruha nayana

ca1. dharaṇī dhara vara bhūṣaṇa sura sēvita caraṇa (śaṁ)

ca2. taru(ṇā)ruṇa kira(ṇā)bha su-cara(ṇā)sura haraṇa (śaṁ)

ca3. kamaṇīya nigama sannuta hima girijā ramaṇa (śaṁ)

- ca4. śama(nā)ntaka vima(lāṃ)ga parama kārūṇya nidhē (śaṃ)
ca5. sa(ma)laṅkṛta kama(lā)hita kamalā suta haraṇa (śaṃ)
ca6. nata pōṣaṇa hita bhāṣaṇa dhṛta cāru kuraṅga (śaṃ)
ca7. mata bhēda patita mānava mada santata bhaṅga (śaṃ)
ca8. su-tapō-dhana hita kara pālita tyāgarāja (śaṃ)

Telugu

- ప. శమో శివ శంకర గురు అంభో-రుహ నయన
చ1. ధరణీ ధర వర భూషణ సుర సేవిత చరణ (శం)
చ2. తరు(ణా)రుణ కిర(ణా)భ సు-చర(ణా)సుర హరణ (శం)
చ3. కమనీయ నిగమ సన్నుత హిమ గిరిజా రమణ (శం)
చ4. శమ(నా)న్తక విమ(లాం)గ పరమ కారుణ్య నిధే (శం)
చ5. స(మ)లంకృత కమ(లా)హిత కమలా సుత హరణ (శం)
చ6. నత పోషణ హిత భూషణ ధృత చారు కురంగ (శం)
చ7. మత భేద పతిత మానవ మద సన్నత భంగ (శం)
చ8. సు-తపో-ధన హిత కర పాలిత త్యాగరాజ (శం)

Tamil

- ప. **ఘం**పో⁴ **శివ** **శంకర** క్ర³రు అంపో⁴-రుహ నయన
చ1. త⁴రణీ త⁴ర వర ప్⁴షణ సుర సేవిత శరణ (ఘం)
చ2. తరు(ణా)రుణ కిర(ణా)ప⁴ సు-శర(ణా)సుర హరణ (ఘం)
చ3. కమనీయ నిక³మ సన్నుత హిమ కి³గిజా రమణ (ఘం)
చ4. **ఘ**మ(నా)న్తక విమ(లా)ంగ³ పరమ కారుణ్య నిధే⁴ (ఘం)
చ5. స(మ)లంక³క్ర³త కమ(లా)హిత కమలా సుత హరణ (ఘం)
చ6. నత పోషణ హిత పా⁴షణ త⁴క్ర³త శారు కురంగ³ (ఘం)
చ7. మత పే³త³ పతిత మానవ మత³ సన్నత ప⁴ంగ³ (ఘం)
చ8. సు-తపో-ధన హిత కర పాలిత త్యాగ³రాజ (ఘం)

శంపో! శివ శంకర క్రువే! కమలకంఠా!

1. పువి శంపోనే నల్లణికలమాయుడైత్తోనే!
వాణోర్ తొమ్మ తిరువడియోనే!
శంపో! శివ శంకర క్రువే! కమలకంఠా!
2. ఇలంకాలై కతిరవన్ కతిరన్ నికర్ నర్నరువడికణోనే!
అశరకణై యిప్పోనే!
శంపో! శివ శంకర క్రువే! కమలకంఠా!
3. మణైకన్ పోర్నమ్ విరుంపత్తక్కోనే!
పనిమలై మదన్తై మణాణా!

ಸಂಪೋ! ಸಿವ ಸಂಕರ ಕುರುವೇ! ಕಮಲಕ್ಕಣ್ಣಾ!

4. ನಮನೇ ಅಡಕ್ಕಿಯ ತುಯ ತಿರುವಡಿಯೋನೇ!

ಪೆರುಂಕರುಣಣ್ಣೆ ಕಡಲೇ!

ಸಂಪೋ! ಸಿವ ಸಂಕರ ಕುರುವೇ! ಕಮಲಕ್ಕಣ್ಣಾ!

5. ಕಮಲಪ್ ಪಕವನಾಲ್ ನೆಂಕು ಅಲಂಕರಿಕ್ಕಪ್ ಪೆಂಠೋನೇ!

ಕಮಲೇ ಮೆಂತನೇ ಯೆರಿತ್ತೋನೇ!

ಸಂಪೋ! ಸಿವ ಸಂಕರ ಕುರುವೇ! ಕಮಲಕ್ಕಣ್ಣಾ!

6. ಪಣಿಂಠೋರೇಪ್ ಪೆಣ್ಣುವೋನೇ! ಇನಿತು ಪಕರ್ವೋನೇ!

ಂಠಿಲಾನ ಮಾನೆಯೆಂತುವೋನೇ!

ಸಂಪೋ! ಸಿವ ಸಂಕರ ಕುರುವೇ! ಕಮಲಕ್ಕಣ್ಣಾ!

7. ಮತ ವೆಠುಪಾಡುಕಳಿಲ್ ವೆಂಠೆಂತ ಮಾನಿಡರಿನ್ ಸೆರುಕ್ಕಿಣೇ

ಂವಮಯಮುಂ ಅಠಿಪ್ಪೋನೇ!

ಸಂಪೋ! ಸಿವ ಸಂಕರ ಕುರುವೇ! ಕಮಲಕ್ಕಣ್ಣಾ!

8. ನೆಂಠವಶ್ ಸೆವ್ವರುಕ್ಕು ಇನಿತರುಂವೋನೇ!

ತಿಯಾಕರಾಸಣೆಪ್ ಪೆಣ್ಣುವೋನೇ!

ಸಂಪೋ! ಸಿವ ಸಂಕರ ಕುರುವೇ! ಕಮಲಕ್ಕಣ್ಣಾ!

ಪುಡಿ ಕುಂಪೋನ್ - ಸೆಡನ್

ಪನಿಮಲೇ ಮಡಂತೆ - ಪಾರ್ವತಿ

ಕಮಲಪ್ ಪಕವನ್ - ಮತಿ

ಕಮಲೇ ಮೆಂತನ್ - ಕಾಮನ್

ಮತಂಕಳಿ - ಅಠುವಕೇ ಮತಂಕಳಿ - ಸೇವಮ್, ವೆಣವಮ್ ಅಕಿಯವೇ

Kannada

ಪ. ಶೆವ್ವೋ ಶಿವ ಶಂಕರ ಗುರು ಅಂಭೋ-ರುಹ ನೆಯನೆ

ಚೆಗ. ಧರಣಿ ಧರ ವರ ಭೂಷಣ ಸುರ ಸೇವಿತ ಚರಣ (ಶಂ)

ಚೆ೨. ತರು(ಣಾ)ರುಣ ಕಿರ(ಣಾ)ಭ ಸು-ಚರ(ಣಾ)ಸುರ ಹರಣ (ಶಂ)

ಚೆ೩. ಕಮನೀಯ ನಿಗಮ ಸನ್ನತ ಹಿಮ ಗಿರಿಜಾ ರಮಣ (ಶಂ)

ಚೆ೪. ಶಮ(ನಾ)ನ್ತಕ ವಿಮ(ಲಾಂ)ಗ ಪರಮ ಕಾರುಣ್ಯ ನಿಧಿ (ಶಂ)

ಚೆ೫. ಸ(ಮ)ಲಂಕೃತ ಕಮ(ಲಾ)ಹಿತ ಕಮಲಾ ಸುತ ಹರಣ (ಶಂ)

ಚೆ೬. ನತ ಪೋಷಣ ಹಿತ ಭಾಷಣ ಧೃತ ಚಾರು ಕುರಂಗ (ಶಂ)

ಚೆ೭. ಮತ ಭೇದ ಪತಿತ ಮಾನವ ಮದ ಸನ್ನತ ಭಂಗ (ಶಂ)

ಚೆ೮. ಸು-ತಪೋ-ಧನ ಹಿತ ಕರ ಪಾಲಿತ ತ್ಯಾಗರಾಜ (ಶಂ)

Malayalam

പ. ശമ്ഭോ ശിവ ശങ്കര ഗുരു അംഭോ-രൂഹ നയന

- ച1. ധരണീ ധര വര ഭൂഷണ സൂര സേവിത ചരണ (ശം)
- ച2. തരു(ണാ)രൂണ കിര(ണാ)ഭ സൂ-ചര(ണാ)സൂര ഹരണ (ശം)
- ച3. കമനീയ നിഗമ സന്നുത ഹിമ ശിരീജാ രമണ (ശം)
- ച4. ശമ(നാ)ന്തക വിമ(ലാ)ഗ പരമ കാരുണ്യ നിധേ (ശം)
- ച5. സ(മ)ലംകൃത കമ(ലാ)ഹിത കമലാ സൂത ഹരണ (ശം)
- ച6. നത പോഷണ ഹിത ഭാഷണ ധൃത ചാരു കുരംഗ (ശം)
- ച7. മത ഭേദ പതിത മാനവ മദ സന്തത ഭംഗ (ശം)
- ച8. സൂ-തപോ-ധന ഹിത കര പാലിത ത്യാഗരാജ (ശം)

Assamese

প. শম্ভো শিব শংকর গুরু অংভো-রুহ নয়ন

- চ১. ধৰণী ধৰ বৰ ভূষণ সূৰ সেৱিত চৰণ (শং)
- চ২. তৰু(ণা)ৰুণ কিৰ(ণা)ভ সু-চৰ(ণা)সূৰ হৰণ (শং)
- চ৩. কমনীয় নিগম সন্নুত হিম গিৰিজা ৰমণ (শং)
- চ৪. শম(না)ন্তক ৰিম(লাং)গ পৰম কাৰুণ্য নিধে (শং)
- চ৫. স(ম)লংকৃত ক(লা)হিত কমলা সূত হৰণ (শং)
- চ৬. নত পোষণ হিত ভাষণ ধৃত চাৰু কুৰংগ (শং)
- চ৭. মত ভেদ পতিত মানৱ মদ সন্তত ভংগ (শং)
- চ৮. সু-তপো-ধন হিত কৰ পালিত অগৰাজ (শং)

Bengali

প. শম্ভো শিব শংকর গুরু অংভো-রুহ নয়ন

- চ১. ধৰণী ধৰ বৰ ভূষণ সূৰ সেৱিত চৰণ (শং)
- চ২. তৰু(ণা)ৰুণ কিৰ(ণা)ভ সু-চৰ(ণা)সূৰ হৰণ (শং)
- চ৩. কমনীয় নিগম সন্নুত হিম গিৰিজা ৰমণ (শং)
- চ৪. শম(না)ন্তক ৰিম(লাং)গ পৰম কাৰুণ্য নিধে (শং)
- চ৫. স(ম)লংকৃত ক(লা)হিত কমলা সূত হৰণ (শং)
- চ৬. নত পোষণ হিত ভাষণ ধৃত চাৰু কুৰংগ (শং)
- চ৭. মত ভেদ পতিত মানৱ মদ সন্তত ভংগ (শং)

୪୪. ସୁ-ତପୋ-ଧନ ହିତ କର ପାଳିତ ଶ୍ରୀଗରାଜ (ଅଂ)

Gujarati

୫. ଶାମ୍ଭୋ ଶିବ ଶଙ୍କର ଗୁରୁ ଅଂଭୋ-ରୁହ ନୟନ
୫୧. ଧରଣୀ ଧର ବର ଭୂଷଣ ସୁର ସେବିତ ଧରଣ (ଶଂ)
୫୨. ତର(ଣା)ରାଣ କିର(ଣା)ଭ ସୁ-ଧର(ଣା)ସୁର ହରଣ (ଶଂ)
୫୩. କମନୀୟ ନିଗମ ସଞ୍ଜୁତ ହିମ ଗିରିଞ୍ଜା ରମଣ (ଶଂ)
୫୪. ଶମ(ନା)ନ୍ତକ ବିମ(ଳା)ଗ ପରମ କାରାଣ୍ୟ ନିଧି (ଶଂ)
୫୫. ସ(ମ)ଲଂକୃତ କମ(ଳା)ହିତ କମଳା ସୁତ ହରଣ (ଶଂ)
୫୬. ନତ ପୋଷଣା ହିତ ଭାଷଣା ଧୂତ ଧାରା କୁରଂଗ (ଶଂ)
୫୭. ମତ ଭେଦ ପତିତ ମାନବ ମଦ ସନ୍ତତ ଭଂଗ (ଶଂ)
୫୮. ସୁ-ତପୋ-ଧନ ହିତ କର ପାଳିତ ଧ୍ୟାଗରାଜ (ଶଂ)

Oriya

୧୦. ଶମ୍ଭୋ ଶିବ ଶଙ୍କର ଗୁରୁ ଅଂଭୋ-ରୁହ ନୟନ
୧୧. ଧରଣୀ ଧର ବର ଭୂଷଣ ସୁର ସେବିତ ଧରଣ (ଶଂ)
୧୨. ତରୁ(ଣା)ରୁଣ କିର(ଣା)ଭ ସୁ-ଚର(ଣା)ସୁର ହରଣ (ଶଂ)
୧୩. କମନୀୟ ନିଗମ ସଞ୍ଜୁତ ହିମ ଗିରିଞ୍ଜା ରମଣ (ଶଂ)
୧୪. ଶମ(ନା)ନ୍ତକ ବିମ(ଳା)ଗ ପରମ କାରୁଣ୍ୟ ନିଧି (ଶଂ)
୧୫. ସ(ମ)ଲଂକୃତ କମ(ଳା)ହିତ କମଳା ସୁତ ହରଣ (ଶଂ)
୧୬. ନତ ପୋଷଣା ହିତ ଭାଷଣା ଧୂତ ଧାରା କୁରଂଗ (ଶଂ)
୧୭. ମତ ଭେଦ ପତିତ ମାନବ ମଦ ସନ୍ତତ ଭଂଗ (ଶଂ)
୧୮. ସୁ-ତପୋ-ଧନ ହିତ କର ପାଳିତ ଧ୍ୟାଗରାଜ (ଶଂ)

Punjabi

୫. ଶାମ୍ଭୋ ଶିବ ଶଙ୍କର ଗୁରୁ ଅଂଭୋ-ରୁହ ନୟନ
୫୧. ଧରଣୀ ଧର ବର ଭୂଷଣ ସୁର ସେବିତ ଧରଣ (ଶଂ)
୫୨. ତର(ଣା)ରୁଣ କିର(ଣା)ଭ ସୁ-ଧର(ଣା)ସୁର ହରଣ (ଶଂ)
୫୩. କମନୀୟ ନିଗମ ସଞ୍ଜୁତ ହିମ ଗିରିଞ୍ଜା ରମଣ (ଶଂ)
୫୪. ଶମ(ନା)ନ୍ତକ ବିମ(ଳା)ଗ ପରମ କାରୁଣ୍ୟ ନିଧି (ଶଂ)

ਚਪ. ਸ(ਮ)ਲੰਕ੍ਰਿਤ ਕਮ(ਲਾ)ਹਿਤ ਕਮਲਾ ਸੁਤ ਹਰਣ (ਸ਼ੀ)

ਚ੬. ਨਤ ਪੋਸ਼ਣ ਹਿਤ ਭਾਸ਼ਣ ਪ੍ਰਿਤ ਚਾਰੁ ਕੁਰੰਗ (ਸ਼ੀ)

ਚ੭. ਮਤ ਭੇਦ ਪਤਿਤ ਮਾਨਵ ਮਦ ਸਨਤਤ ਭੰਗ (ਸ਼ੀ)

ਚ੮. ਸੁ-ਤਪੋ-ਧਨ ਹਿਤ ਕਰ ਪਾਲਿਤ ਤਜਾਰਾਜ (ਸ਼ੀ)